टेस्टिंग इंजीनियर

मोबाइल टेक्नोलॉजी में उभरता करियर

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन, स्मार्ट गैजेट्स और नई-नई टेक्नोलॉजी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। हर साल बाजार में सैकड़ों नए मोबाइल मॉडल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज लॉन्च होते हैं, जिनसे उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में किसी भी प्रोडक्ट की गुणवत्ता, परफॉर्मेंस और सुरक्षा सुनिश्चित करना कंपनियों के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गया है। यहीं से टेस्टिंग इंजीनियर की भूमिका शुरू होती है। टेक्नोलॉजी के तेजी से बदलते दौर में कंपनियां किसी भी तरह की तकनीकी खामी या यूजर शिकायत से बचना चाहती हैं। इसी कारण मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और टेक इंडस्ट्री में टेस्टिंग इंजीनियर की मांग लगातार बढ़ रही है। अगर आपको तकनीक में दिलचस्पी है, चीजों को परखने की आदत है और आप क्वालिटी पर फोकस करते हैं, तो टेस्टिंग इंजीनियर का करियर आपके लिए भविष्य की कई संभावनाओं के दरवाजे खोल सकता है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

टेस्टिंग इंजीनियर का कार्य

टेस्टिंग इंजीनियर का मुख्य कार्य मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को हर स्तर पर जांचना होता है, ताकि वह बाजार में जाने से पहले पूरी तरह सही और उपयोग के लिए सुरक्षित हो। इसमें सबसे पहले फोन के हार्डवेयर की टेस्टिंग की जाती है, जैसे स्क्रीन की क्वालिटी और टच रिस्पॉन्स, कैमरे की फोटो और वीडियो क्षमता, बैटरी की परफॉर्मेंस, नेटवर्क सिग्नल, स्पीकर और माइक्रोफोन की आवाज। इसके अलावा सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में भी टेस्टिंग इंजीनियर की अहम जिम्मेदारी होती है। वह यह जांचता है कि ऑपरेटिंग सिस्टम स्मूद तरीके से काम कर रहा है या नहीं, ऐप्स सही तरह से ओपन हो रहे हैं या नहीं और फोन हैंग या क्रैश तो नहीं हो रहा। साथ ही यूजर इंटरफेस आसान और सुविधाजनक है या नहीं, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। यूजर को भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो, यही इस प्रोफेशन का सबसे बड़ा उद्देश्य होता है। किसी भी मोबाइल के लॉन्च से पहले अंतिम मंजूरी इसी टेस्टिंग टीम से मिलती है, इसलिए टेस्टिंग इंजीनियर की भूमिका बेहद जिम्मेदार और महत्वपूर्ण मानी जाती है।

करियर स्कोप

मोबाइल कंपनियों के साथ-साथ टैबलेट, स्मार्टवॉच, IoT डिवाइसेज और ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी में भी टेस्टिंग इंजीनियर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। अनुभव के साथ सीनियर टेस्टिंग इंजीनियर, क्वालिटी एनालिस्ट या टेस्ट मैनेजर जैसे पदों तक पहुंचा जा सकता है। अगर आप टेक्नोलॉजी के साथ काम करना पसंद करते हैं और परफेक्शन की तलाश आपकी आदत है, तो टेस्टिंग इंजीनियर की नौकरी आपके लिए एक स्मार्ट और सुरक्षित करियर विकल्प हो सकती है।

सैलरी और करियर ग्रोथ

टेस्टिंग इंजीनियर की नौकरी सैलरी के मामले में भी काफी बेहतर मानी जाती है। इस क्षेत्र में करियर की शुरुआत करने वाले फ्रेशर्स को आमतौर पर 18,000 से 28,000 रुपये प्रति माह तक वेतन मिल जाता है। जैसे-जैसे काम का अनुभव और तकनीकी समझ बढ़ती है, आमदनी में भी तेजी से इजाफा होता है। करीब 2-3 साल के अनुभव के बाद सैलरी बढ़कर 35,000 से 60,000 रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है।

देश की बड़ी मोबाइल कंपनियों और उनके सप्लायर जैसे Samsung, Xiaomi, Vivo, Oppo और Apple में काम करने वाले टेस्टिंग इंजीनियर्स को अपेक्षाकृत ज्यादा पैकेज मिलता है। वहीं मल्टीनेशनल और इंटरनेशनल कंपनियों में अवसर मिलने पर कमाई और करियर ग्रोथ दोनों ही काफी तेजी से आगे बढ़ते हैं। करियर के लिहाज से भी यह प्रोफाइल कई संभावनाएं खोलता है। अनुभव बढ़ने के साथ टेस्टिंग इंजीनियर, सीनियर टेस्टिंग इंजीनियर, क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियर, आर एंड डी इंजीनियर, प्रोडक्ट वैलिडेशन इंजीनियर या टेस्टिंग टीम लीडर जैसे महत्वपूर्ण पदों तक पहुंच सकता है। हर नए स्तर पर जिम्मेदारियां बढ़ती हैं और उसके साथ सैलरी व प्रोफेशनल ग्रोथ भी लगातार मजबूत होती जाती है।

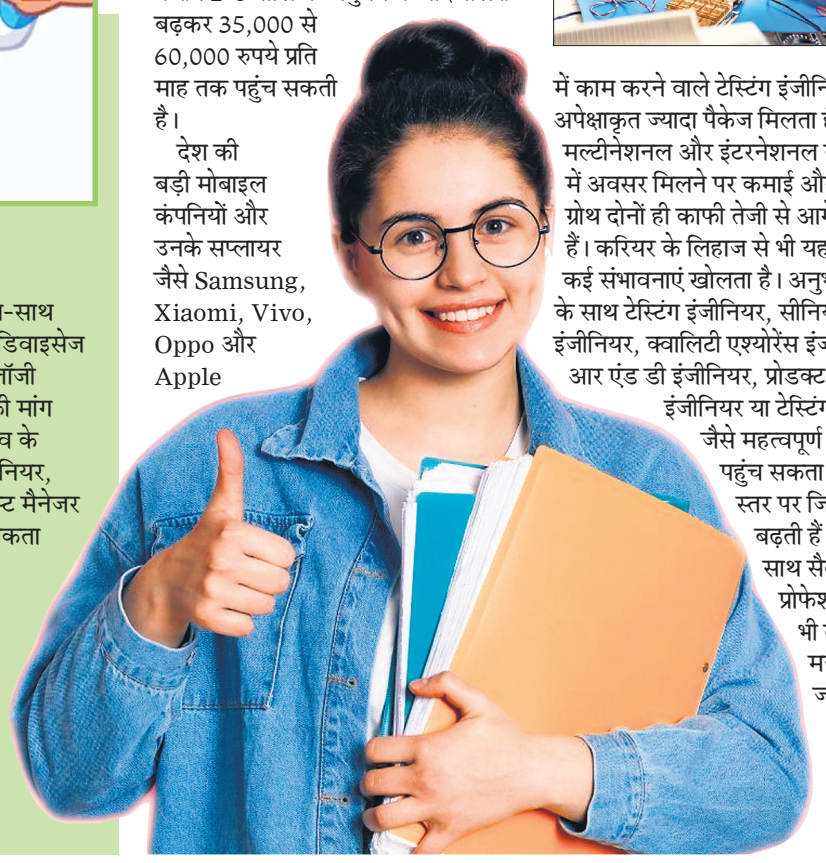

टेस्टिंग इंजीनियर के लिए योग्यता

टेस्टिंग इंजीनियर बनने के लिए बहुत बड़ी या महंगी डिग्री होना जरूरी नहीं है। अगर आपके पास तकनीक की बुनियादी समझ और सीखने की इच्छा है, तो इस फील्ड में करियर बनाया जा सकता है। आमतौर पर Electronics, IT, Electrical, ECE या Mechanical से B.Tech करने वाले उम्मीदवारों को इस प्रोफाइल में आसानी से अवसर मिल जाते हैं। इसके अलावा Diploma in Electronics, Mobile Technology या इससे जुड़े अन्य टेक्निकल डिप्लोमा कोर्स करने वाले भी टेस्टिंग इंजीनियर के रूप में कार्य कर सकते हैं। कई मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और टेक कंपनियां फ्रेशर्स को खुद ट्रेनिंग देती हैं, जिसमें उन्हें मोबाइल हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग सिखाई जाती है। इस प्रोफाइल के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को बेसिक टेक्निकल नॉलेज हो, जैसे मोबाइल के फीचर्स की समझ, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में अंतर तथा छोटी-छोटी तकनीकी समस्याओं को पहचानने की क्षमता। अगर आपके पास ये स्किल्स हैं और आप नई टेक्नोलॉजी सीखने के लिए तैयार रहते हैं, तो टेस्टिंग इंजीनियर के रूप में नौकरी पाना ज्यादा मुश्किल नहीं होता।

जॉब अलर्ट

भारतीय रिजर्व बैंक सेवा बोर्ड

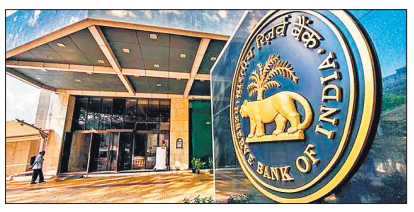

- पद का नाम - पद (डेटा साइंटिस्ट, डेटा इंजीनियर, IT सिक्योरिटी एक्सपर्ट, IT सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर, IT प्रोजेक्ट एडमिनिस्ट्रेटर, AI/ML स्पेशलिस्ट, IT-साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, प्रोजेक्ट मैनेजर, रिस्क स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर)
- पदों की संख्या-93
- योग्यता- पदों के अनुसार
- आयु सीमा-21 से 62 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 06 जनवरी, 2026
- वेबसाइट- www.rbi.org.in

पुणे डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक

- पद का नाम- क्लर्क
- पदों की संख्या- 434
- आवेदन की अंतिम तिथि-20-12-2025
- वेबसाइट-pdcc.bank.in

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI)

- पद का नाम-स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (VP वेल्थ SRM, AVP वेल्थ RM, कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव)
- पदों की संख्या-996
- योग्यता- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से ग्रेजुएशन
- आयु सीमा- पदों के अनुसार
- आवेदन की अंतिम तिथि- 23-12-2025
- वेबसाइट-sbi.bank.in

रेलवे भर्ती सेल, उत्तरी रेलवे

- पद का नाम-एक्ट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या- 4116
- योग्यता-मैट्रिकुलेशन/10वीं कक्षा (न्यूनतम 50% अंक) और संबंधित ट्रेड में ITI, NCVT/SCVT मान्यता प्राप्त
- आयु सीमा- 15 से 24 वर्ष (नियमों के अनुसार आयु में छूट)
- आवेदन की अंतिम तिथि-12/24/2025
- वेबसाइट- www.rrcnr.org

कैंपस में पहला दिन

सीनियर का रहा खौफ, बाद में बने दोस्त

इंजीनियरिंग कॉलेज में मेरा पहला दिन आंखों में तैरते भविष्य के सपनों के बीच काफी सहमा, सकुचा रहा। आज का एचबीटीयू उस वक्त का एचबीटीआई में मेरा सलेक्शन हुआ। यहां पर आने से पहले मैंने सीनियर्स के बारे में काफी सुन रखा था। इन्हीं सीनियर्स के खौफ और आंखों में सपने लेकर मैं पहले दिन कैंपस पहुंचा। सीनियर्स का डर इस कदर था कि कैंपस में जाने के बाद मैंने उनसे अपने डिपार्टमेंट का रास्ता तक पूछना उचित नहीं समझा, खैर एक टीचर मिले उनसे जानकारी लेकर मैं अपनी क्लास तक पहुंचा। काफी दिन तक सीनियर्स से अनायास ही दूरी बनाता रहा, लेकिन जब उन लोगों से बात हुई तो वे काफी सपोर्टिव निकले। कुछ के साथ मित्रता ऐसी हुई कॉलेज में उन लोगों ने पढ़ाई में भी सहायता की। आज उनमें से कई मेरे बहुत अच्छे मित्र भी हैं।

कॉलेज का पहला दिन मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण था। उच्च शिक्षा प्राप्त करना बचपन से मेरा सपना था और उस दिन मैं दिल में बड़े सपने और उम्मीदें लेकर कॉलेज के द्वार पर पहुंचा था। अपने पिता को एक इंजीनियर के रूप में कड़ी मेहनत करते हुए देखता आया था। उन्हीं के पदचिह्नों पर चलना हमेशा से मेरी आकांक्षा रही। उन्हें हर संभव तरीके से सहायता करने की इच्छा ही मेरे भीतर इंजीनियर बनने का जुनून जगाती थी। इस सपने को पूरा करने के लिए मैंने अत्यंत परिश्रम किया। कई बार बिजली न होने पर मंद रोशनी में पढ़ाई की। खुद को व्यवधानों से दूर रखने के लिए अक्सर अकेला बैठकर सिर्फ अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया। मेरे इन निरंतर प्रयासों का फल मुझे तब मिला जब मेरा चयन एचबीटीआई, कानपुर में हुआ। एक ऐसा परिसर, जिसने मेरे जीवन की दिशा बदल दी। उस समय न तो करियर काउंसलर थे और न ही इंटरनेट जैसी सुविधाएं। फिर भी, मुझे हमेशा विश्वास था कि एचबीटीआई ही वह स्थान है, जहां मुझे होना चाहिए। परिसर को देखने और ज्ञान से परिपूर्ण प्रोफेसरों से मिलकर यह विश्वास और भी दृढ़ हो गया कि यही वह विश्वविद्यालय है, जिसके लिए मैं बना हूं। कॉलेज जीवन शुरू हुआ, तो पढ़ाई का असली अध्याय भी शुरू हुआ। माता-पिता से दूर, एक ऐसे शहर में जहां कुछ ही लोग परिचित थे। अकेलापन कई बार चुनौती बना, पर इंजीनियर बनने की मेरी प्यास और अपने सपने को पूरा करने की लगन ने मुझे कभी रुकने नहीं दिया। मेरे प्रोफेसर वास्तव में असाधारण व्यक्तित्व थे। आज भी उनके पढ़ाए हुए सिद्धांत और अवधारणाएं मुझे उतनी ही स्पष्टता से याद हैं। पढ़ाई में मेरी रुचि केवल अंकों तक सीमित नहीं थी। मुझे यह समझने में आनंद आता था कि कोई सिद्धांत वास्तव में क्या कहता है, उसका मूल क्या है और वह वास्तविक जीवन में कैसे काम आता है। शिक्षा मेरे लिए केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि उसका व्यावहारिक उपयोग थी। इसी दृष्टिकोण का लाभ मुझे आज भी मिलता है। अपने कार्यस्थल पर बैठकर जब मैं नवाचार या किसी उत्पाद को और बेहतर बनाने के बारे में सोचता हूं, तब बचपन और कॉलेज के दिनों में सीखे गए अनेक सिद्धांत स्वतः ही मेरी आंखों के सामने उभर आते हैं। कॉलेज जीवन मित्रता, मनोरंजन और स्वतंत्रता का पहला अनुभव देता है। पर इससे भी अधिक, यह वह समय है जब हम ज्ञान की वह नींव बनाते हैं, जिस पर हमारा पूरा जीवन टिका रहता है। आज मैं कई विद्यार्थियों को केवल अच्छे अंकों के पीछे भागते देखता हूं। देश के सभी प्रतिभाशाली युवाओं से मैं यही कहना चाहता हूं, केवल अंक प्राप्त करने के लिए न पढ़ें। ज्ञान को समझिए, उसे अपनाइए और उसके वास्तविक जीवन में उपयोग को पहचानिए। देखें कि जो आप आज सीख रहे हैं, उसे अपने जीवन के अन्य क्षेत्रों में कैसे लागू कर सकते हैं। यदि आप यह दृष्टिकोण अपनाएंगे, तो सफलता स्वयं आपके कदम चूमेगी।

- हरेंद्र मूरजानी, एमडी, यूपी पंप प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर

नोटिस बोर्ड

- एमजेपी रुहेलखंड विवि से संबद्ध कालेजों के स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरे जा रहें हैं। फॉर्म समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरे जा रहे हैं। इसमें जिन छात्र-छात्राओं को आवेदन करने में परेशानी हो रही है, उनके लिए विवि ने एक वीडियो भी जारी कर दी है। इसमें पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई है। परीक्षा फार्म की लास्ट डेट 19 दिसंबर है। वहीं 20 दिसंबर तक छात्र-छात्राएं आवेदन पत्र कालेज में जमा कर सकेंगे।

- लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 सेमेस्टर परीक्षा के तहत शारीरिक शिक्षा विभाग ने इंटर्नशिप वायवा परीक्षा की डेट घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय के अनुसार बीए पंचम सेमेस्टर की इंटर्नशिप वायवा परीक्षा 20 दिसंबर को सुबह 11.30 बजे से होगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी विद्यार्थियों को अपनी फाइल के साथ पहुंचना होगा।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर बनाएं सफल करियर

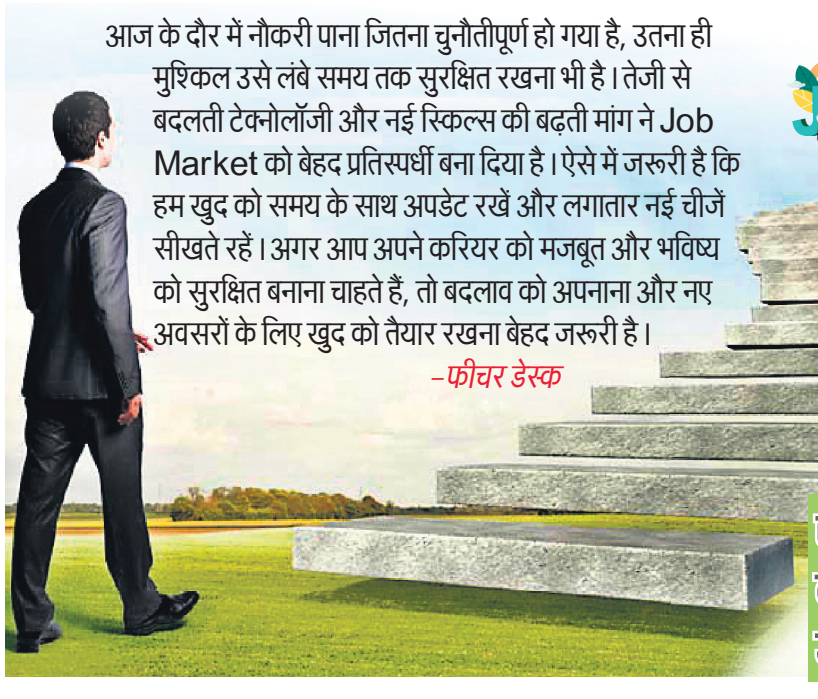

आज के दौर में नौकरी पाना जितना चुनौतीपूर्ण हो गया है, उतना ही मुश्किल उसे लंबे समय तक सुरक्षित रखना भी है। तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी और नई स्किल्स की बढ़ती मांग ने Job Market को बेहद प्रतिस्पर्धी बना दिया है। ऐसे में जरूरी है कि हम खुद को समय के साथ अपडेट रखें और लगातार नई चीजें सीखते रहें। अगर आप अपने करियर को मजबूत और भविष्य को सुरक्षित बनाना चाहते हैं, तो बदलाव को अपनाना और नए अवसरों के लिए खुद को तैयार रखना बेहद जरूरी है।

-फीचर डेस्क

कंफर्ट जोन से बाहर निकलें

अक्सर लोग वही काम करते रहना पसंद करते हैं, जिसमें उन्हें आराम महसूस होता है, लेकिन अगर आप हमेशा परिचित कामों तक ही सीमित रहेंगे, तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। कभी-कभी नए कामों और नई जिम्मेदारियों को अपनाना जरूरी होता है। इससे न सिर्फ आपके अनुभव बढ़ते हैं, बल्कि करियर को भी नई दिशा मिलती है।

लगातार सीखते रहना है जरूरी

यह सोच गलत है कि पढ़ाई खत्म होते ही सीखना भी खत्म हो जाता है। असल जिंदगी में सीखने की कोई उम्र नहीं होती। नई कंप्यूटर स्किल्स, नई भाषा या नए टूल्स हर नई जानकारी आपको Job Market में आगे रखती है। छोटे-छोटे प्रयास भविष्य में बड़े अवसर बन सकते हैं।

जानकारी और नेटवर्क बढ़ाते रहें

Job Market से जुड़ी खबरों और भर्तियों पर नजर रखें। अपने क्षेत्र के लोगों से संपर्क बनाए रखें और नए लोगों से जुड़ते रहें। सही जानकारी और मजबूत नेटवर्क आपको नए और बेहतर अवसर दिला सकता है।

हमेशा तैयार रहें

नौकरी बदलने की संभावना को ध्यान में रखकर खुद को हर समय तैयार रखें। अपने फील्ड के नए ट्रेंड्स पर नजर रखें और स्किल्स को अपडेट करते रहें। वैकल्पिक करियर विकल्पों पर भी सोचें, ताकि किसी भी बदलाव के लिए आप मानसिक और पेशेवर रूप से तैयार रहें।

समय का करें सही उपयोग

समय सबसे कीमती पूंजी है। टालमटोल करने की आदत करियर को नुकसान पहुंचा सकती है। आज से ही छोटे लक्ष्य तय करें और उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। सही समय पर उठाया गया कदम आपको सही मुकाम तक पहुंचा सकता है।